केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 293 सोमवार 18 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जाली नोट मामले में 3 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस ने रविवार को भारतीय जाली करेंसी नोटों के मुद्रण, परिवहन और परिचालन से जुड़े तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। छावनी पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में इन्हें अलग–अलग स्थानों से पकड़ा गया। पुलिस अधीक्षक ने इस टीम को 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार, थाना छावनी में वर्ष 2025 में जाली भारतीय करेंसी नोटों के मुद्रण एवं परिचालन का एक मामला दर्ज किया गया था। इसी प्रकरण में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही थी।

पुलिस टीम ने जंगबहादुर पटेल (निवासी करनपुर, थाना धनघटा, संतकबीरनगर) और शिव कुमार कन्नौजिया (निवासी गगरागाड़, थाना धनघटा, संतकबीरनगर) को जेएमवी हॉस्पिटल के पास से गिरफ्तार किया। तीसरे अभियुक्त राजकुमार गुप्ता (निवासी महुली बाजार, थाना महुली, संतकबीरनगर) को ग्राम महादेवा के पास सड़क किनारे से पकड़ा गया।

अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त लंबे समय से जाली भारतीय करेंसी नोटों के मुद्रण, परिवहन और बाजार में परिचालन जैसे संगठित अपराधों में संलिप्त थे। उन्होंने कहा कि गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क की जांच की जा रही है, साथ ही अपराध से अर्जित संपत्तियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अभियुक्त शिव कुमार कन्नौजिया के खिलाफ पूर्व में अपहरण, मारपीट, धमकी और एससी, एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। इस अभियान में थाना छावनी पुलिस और स्वाट टीम के कई पुलिसकर्मी शामिल रहे।

श्री रामलीला महोत्सव का पुरस्कार वितरण 18 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सनातन धर्म संस्था, बस्ती द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव, बस्ती के षष्टम वर्ष का पुरस्कार वितरण समारोह 18 मई सोमवार को दिन में 9 बजे से अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह, एसपी आवास के सामने, सिविल लाइन, बस्ती में आयोजित किया जाएगा। सनातन धर्म संस्था के सदस्य कैलाश नाथ दूबे ने समस्त सनातन प्रेमियों एवं नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

दिव्यांग युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर में रविवार को एक दिव्यांग युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के पिता ने अपने बड़े बेटे पर छोटे बेटे की मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना रविवार सुबह करीब 10.30 बजे हुई। ग्राम गनेशपुर हरिजन टोला निवासी फूलचंद पुत्र कप्पू ने पीआरवी 5507 को सूचना दी कि उनके बड़े बेटे मनीष (30) ने छोटे बेटे मनोज कुमार (26) की पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई। मनोज कुमार शारीरिक रूप से दिव्यांग थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। क्षेत्राधिकारी सदर, वाल्टरगंज थाना प्रभारी और फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अनुदेशकों को बढे मानदेय के साथ कैशलेश इलाज की सुविधा

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को लखनऊ में अंशकालिक प्रशिक्षक सम्मान समारोह और चेक वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने अनुदेशकों को बढ़े हुए मानदेय के साथ ही 5 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की सौगात भी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सरकार केवल बोल नहीं रही है बल्कि करके दिखा रही है।

लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में सीएम योगी ने अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान और बढ़े हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बता दें कि सरकार द्वारा पहले जारी शासनादेश के तहत अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि का निर्णय लिया गया था। बढ़ा हुआ मानदेय एक अप्रैल 2026 से प्रभावी किया गया है। इसके तहत प्रदेश भर में प्रतीकात्मक चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस संबंध में बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए थे। निर्देश में कहा गया था कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम के समानांतर सभी जिलों में भी भव्य आयोजन सुनिश्चित किए जाएं।

लखनऊ में आयोजित समारोह में सीएम योगी ने कहा कि अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय को 2022 में दो हजार रुपए बढ़ाया गया था। हम लोग इससे स्वयं संतुष्ट नहीं थे। नींव अक्सर दिखाई नहीं देती लेकिन वह सबसे कठिन काम होता है। यदि नींव ही मजबूत नहीं होगी तो मजबूत इमारत नहीं बन पाएगी इसलिए अनुदेशक हों, शिक्षा मित्र हों, हम लोगों का मानना है मानदेय सम्मानजनक होना चाहिए और उनका काम भी उतना ही गरिमापूर्ण होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि ये अच्छा है कि अनुदेशकों ने अपनी मांग के लिए कभी भी जबरन रास्ता नहीं अपनाया। सीएम योगी ने कहा कि हम 17 हजार रुपए मानदेय तो दे रहे हैं लेकिन साथ में 5 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा का कवर भी मुहैया करा रहे हैं। अनुदेशक और उनके परिवारों को कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा शिक्षा मित्रों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी मिल रही है।

सीएम योगी ने कहा कि बेसिक शिक्षा द्वारा तैयार पोर्टल पर जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन करा लें। हम अगले हफ्ते से कार्ड वितरण भी शुरू कर देंगे। सीएम योगी ने कहा कि यह आज की आवश्यकता है। सबसे बड़ी बात संवेदना की है। सीएम योगी ने कहा कि 2019 में छह महीने के मानदेय सहित मातृत्व अवकाश की सुविधा भी प्रदान की गई थी। हमने 2023 में स्वेच्छा से विद्यालय परिवर्तन का विकल्प भी दिया था। चार हजार से अधिक अनुदेशकों को स्वेच्छा के अनुसार विद्यालय परिवर्तन करने का अधिकार दिया है।

प्राथमिक शिक्षक संघ के 5 विकास क्षेत्रों के संगठन पदाधिकारियों को मिला अनुमोदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल और जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि जनपद के 5 विकास क्षेत्र के संगठन पदाधिकारियों के चयन के बाद जिला कार्य समिति से अनुमोदन के बाद मान्यता जारी किया गया है।

शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि रूधौली में रजनीश मिश्र अध्यक्ष, योगेश्वर शुक्ल मंत्री, अमरेश दूबे कोषाध्यक्ष, दुबौलिया में दिवाकर सिंह अध्यक्ष, अवनीश तिवारी मंत्री, राजेश कुमार कोषाध्यक्ष, कुदरहा में ओम प्रकाश पाण्डेय अध्यक्ष, हरीश चौधरी मंत्री, अमित श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, रामनगर में प्रदीप कुमार मिश्र अध्यक्ष, कुलदीप तिवारी कार्यवाहक अध्यक्ष, विवेक उपाध्याय मंत्री, ज्ञानेश्वर शुक्ल कोषाध्यक्ष, नन्द किशोर चौधरी संयुक्त मंत्री, आशुलेष पाण्डेय, मो. जमील, रामलखन, कृष्ण कुमार उपाध्यक्ष, अश्विनी पाठक, रामकृपाल, पंकज, कौशल, मुकेश संगठन मंत्री और परसुरामपुर में नरेन्द्र कुमार द्विवेदी अध्यक्ष, राजीव कुमार पाण्डेय मंत्री, दिनेश वर्मा को कोषाध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया है।

जिला मंत्री राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि 5 विकास क्षेत्रों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे संगठन की मंशा के अनुरूप शिक्षक हितों के लिये रचनात्मक संघर्ष जारी रखे जिससे टेट, पुरानी पेंशन बहाली के साथ ही अन्य शिक्षक समस्याओं का समाधान हो सके। पदाधिकारी अपने कार्यकारिणी का गठन कर जिला संगठन से अनुमोदन करा लें।

सुमन यादव कांग्रेस आरटीआई विभाग चेययरमैन नियुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश चेयरमैन पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की संस्तुति पर सुमन यादव गुड्डन को बस्ती आरटीआई विभाग का जिला चेयरमैन नियुक्त किया है। सुमन यादव गुड्डन ने कहा कि उन्हें जो दायित्व दिया गया है, पूरा प्रयास होगा कि कांग्रेस के दिशा निर्देश के अनुरूप जनहित के सवालों को लेकर संघर्ष किया जाय।

सुमन यादव गुड्डन को आरटीआई विभाग का जिला चेयरमैन नियुक्त किये जाने पर आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने यह जानकारी देते हुये कहा कि निश्चित रूप से सुमन संगठन को मजबूती देने के साथ ही संघर्ष की धार को मजबूती देंगी। मुख्य रूप से कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, अनूप पाण्डेय, वीरेन्द्र पाण्डेय उर्फ बब्लू, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', बसन्त चौधरी, देवेन्द्र श्रीवास्तव, बाबूराम सिंह, नर्वदेश्वर शुक्ल, देवी पाण्डेय, रीता साहनी, सरिता, विद्या वर्मा, हसीना खातून, पूनम, नमिता, संजू गौड़, रूक्मिणी, रचना गौड़, संगीता शर्मा, सोनगुना, कविता, अफसाना आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

6 माह के भीतर टूटने लगी जवाहर नवोदय विद्यालय की बाउंड्रीवाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बांसी (सिद्धार्थनगर)। बांसी तहसील के बसंतपुर गांव स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय की बाउंड्रीवाल, जिसका लगभग 6 महीने पहले ही पुनर्निर्माण कराया गया था, अब जगह–जगह से टूटने लगी है।

सरकारी धन से बने इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर अब बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इतनी कम अवधि में दीवार का टूटना कहीं न कहीं निर्माण में भारी लापरवाही और घटिया सामग्री के इस्तेमाल की ओर इशारा करता है।

विद्यालय जैसी महत्वपूर्ण जगह की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह मौन नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने

निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अगर 6 महीने में ही यह हाल है, तो आने वाले समय में पूरी बाउंड्रीवाल की मजबूती और छात्रों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा खड़ा हो सकता है।

11 सत्रों में प्रशिक्षित हुये भाजपा कार्यकर्ता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी, बस्ती द्वारा 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' के अंतर्गत विक्रमजोत स्थित अवधेश होटल के सभागार में आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग और प्रदर्शनी आज सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

कार्यक्रम के दूसरे और अंतिम दिन कुल 4 महत्वपूर्ण वैचारिक सत्र आयोजित किए गए, जिसके बाद भव्य समापन समारोह हुआ। इस दो दिवसीय महाअभियान में कुल 11 सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।

द्वितीय दिन के प्रमुख सत्र, अष्टम सत्र "विचार परिवार"जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन राजेंद्र नाथ तिवारी ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। अध्यक्षता पूर्व विधायक रवि सोनकर ने की और संचालन दिलीप पाण्डे ने किया।नवम सत्र"मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया और एआई"प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी और आईटी विभाग के क्षेत्रीय संयोजक अनादि प्रिय पाठक ने डिजिटल युग में सोशल मीडिया और एआई के कुशल उपयोग पर विचार रखे। अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष पवन कसौधन ने की और संचालन विरेन्द्र गौतम ने किया। दशम सत्र "कार्य विस्तार एवं चुनाव प्रबंधन"उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने व्यावहारिक सत्र में चुनाव प्रबंधन के गुर सिखाए। अध्यक्षता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, राजेन्द्र गौड़ ने की और संचालन विनय सिंह भरद्वाज ने

किया। समापन सत्र "सरकार की गरीब कल्याण योजनाएं व क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका" मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही ने संगठन को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुँचाने के मूल सूत्र बताए। अध्यक्षता प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा डॉ .ममता पाण्डेय ने की और संचालन भानु प्रकाश मिश्र ने किया।

समापन सत्र के अन्य विशिष्ट अतिथियों में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कृषि मंत्री सूर्य प्रकाश शाही, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, वर्ग प्रमुख प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी धर्मेन्द्र सिंह, पूर्व सांसद, असम प्रभारी हरीश द्विवेदी, विधायक अजय सिंह, दयाराम चौधरी और संजय जयसवाल शामिल रहे।

अपने अध्यक्षीय और समापन संबोधन में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक जीवंत विचार है। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं की वैचारिक धार को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि यहाँ से प्रशिक्षण प्राप्त कर निकलने वाला प्रत्येक कार्यकर्ता अब क्षेत्र में जाकर पूरी ऊर्जा के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को धरातल पर उतारने का काम करेगा।

समापन अवसर पर कार्यकर्ताओं ने दो दिनों से लगी भव्य प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जिसमें जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों के जीवन वृत्त और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को चित्रों व संदेशों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया था। इस अवसर पर अष्टभुजा शुक्ल, पवन कसौधन, पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह, सुशील सिंह, यशकान्त सिंह, गोपेश्वर त्रिपाठी, अजय सिंह गौतम, अंकुर वर्मा, अनिल दुबे, ध्रुव सिंह, जटाशंकर शुक्ल, प्रमोद पाण्डेय, अरविन्द पाल, सिद्धार्थ, डॉ. डी.ए. सिंह, श्याम बिहारी गौंड, पुष्करादित्य सिंह, गजेन्द्र सिंह, चन्द्रशेखर मुन्ना, आनन्द सिंह, शालिनी मिश्र, शिवानी सिंह, रोली सिंह, देवेन्द्र सिंह, अमरेन्द्र सिंह, रामवृक्ष निषाद एवं रमेश चक्रवर्ती सहित प्रदेश, क्षेत्र एवं जिले के समस्त प्रमुख पदाधिकारी, मोर्चों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, आईटी सेल के पदाधिकारी और अपेक्षित वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में फरार गोतस्कर गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसरामपुर थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान फरार चल रहे आरोपी सद्दाम को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। घायल आरोपी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसरामपुर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके पास से 315 बोर का तमंचा, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। थानाध्यक्ष परसरामपुर विश्वमोहन राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 16 मई को मुखबिर की सूचना पर पचौरी बाग में छापेमारी की थी।

इस दौरान राकेश यादव, सहबान उर्फ छोटू, आयुष प्रताप सिंह, सहजाद हुसैन, रामअवतार यादव, मुरली सोनकर और असलम को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उनके कब्जे से चार गोवंश पशु भी बरामद किए थे। सभी आरोपियों के खिलाफ गोवध अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था, जबकि सद्दाम मौके से फरार हो गया था।

शनिवार भोर में नक्टवा पुल गांव सहरिया नई दुनिया के पास पुलिस सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान फरार आरोपी सद्दाम को घेरने की कोशिश की गई। खुद को घिरा देख उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से वह घायल हो गया और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

क्षेत्राधिकारी हर्रैया स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब गोवंश तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

मनमानी हरकतो के कारण चाय, पान वाला हिरासत में

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता वार्ड नं. 25 पिकौरा बक्श के सभासद रमेश कुमार गुप्ता की शिकायत पर गांधीनगर चौकी इन्चार्ज सभाशंकर यादव ने त्रिपाठी चित्र मंदिर के गली में चाय, गुटखा आदि की दूकान चलाने वाले विनोद कुमार गुप्ता को उसके मनमानी हरकतो के कारण हिरासत में ले लिया है।

सभासद रमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि क्षेत्रीय नागरिकों ने उनसे शिकायत किया कि विनोद कुमार गुप्ता और पवन गुप्ता चाय व पान की

की दूकान पर बहुत तेजी से अश्लील गीतों वाला साऊण्ड बजाते हैं। स्कूल की छुट्टी के दौरान लड़कियों से छेड़खानी और अश्लील हरकत के मामले सामने आये। रविवार को जब गांधीनगर चौकी इन्चार्ज सभाशंकर यादव पुलिस कर्मियों के साथ विनोद और पवन के चाय व पान की दूकान पर पहुंचकर पूंछतांछ शुरू किया कि विनोद कुमार गुप्ता ने सभासद रमेश गुप्ता को भी अश्लील गालियां दी। इस पर चौकी इन्चार्ज सभाशंकर यादव ने विनोद को हिरासत में ले लिया। सभासद रमेश गुप्ता ने दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है जिससे मोहल्ले में शांति बनी रहे।

भाजपा नेता ने नाला निर्माण की गुणवत्ता पर उठाये सवाल, जांच, प्रभावी कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के मंडल उपाध्यक्ष संजय चौधरी ने नगर पंचायत मुण्डेरवा के वार्ड संख्या–7 स्थित श्रीराम नगर में चल रहे नाला निर्माण कार्य में अनियमितता और घटिया सामग्री के प्रयोग का आरोप लगाते हुए मंडलायुक्त, जिलाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मुण्डेरवा को रजिस्टर्ड शिकायत पत्र भेजकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा नेता संजय चौधरी उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की जा रही है। मुण्डेरवा–महादेवा मार्ग पर बनाए जा रहे नाले की दीवारों में केवल सिंगल सरिया जाल का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि मानक के अनुसार डबल जाल लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही नाले के नीचे उचित बेस तैयार किए बिना ही निर्माण कार्य कराए जाने का आरोप भी लगाया गया है, जिससे भविष्य में नाले के कमजोर होकर क्षतिग्रस्त

होने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने भी निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त सीमेंट, गिट्टी और अन्य सामग्री निम्न स्तर की है तथा कार्य जल्दबाजी में कराया जा रहा है। लोगों का आरोप है कि विभागीय दिशा–निर्देशों की अनदेखी कर मानकविहीन तरीके से निर्माण कराया जा रहा है।

संजय चौधरी ने बताया कि उनके पास निर्माण कार्य से जुड़ी वीडियो क्लिप भी मौजूद है, जिसे जांच के दौरान साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य को तत्काल रोककर तकनीकी टीम से गुणवत्ता की जांच कराई जाए तथा दोषी ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि सरकार जहां विकास कार्यों के माध्यम से जनता का विश्वास मजबूत करने का प्रयास कर रही है, वहीं कुछ ठेकेदारों और अधिकारियों की लापरवाही से सरकारी योजनाओं की छवि प्रभावित हो रही है। लोगों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराकर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने की मांग की है।

उम्मीद बनकर उभर रहे हैं अमय पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर) बांसी विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों एक नाम तेजी से लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, अमय पाण्डेय। अपनी सादगी, स्वच्छ छवि और समाजसेवा के प्रति समर्पण के चलते अमय पाण्डेय युवाओं और आम जनमानस के बीच लगातार लोकप्रिय होते जा रहे हैं।

क्षेत्र में शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक समस्याओं को लेकर उनकी सक्रियता ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। गांव–गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है। यही वजह है कि कम समय में ही उन्होंने युवाओं और आम जनता के बीच मजबूत पहचान बना ली है।

बांसी क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि आज के समय में ऐसे लोग बहुत कम देखने को मिलते हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के समाज के लिए काम करें। अमय पाण्डेय लगातार युवाओं को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। क्षेत्र में आयोजित सामाजिक कार्यक्रमों और जनहित अभियानों में युवाओं की भारी भागीदारी इसका प्रमाण मानी जा रही है।

स्थानीय युवाओं का कहना है कि अमय पाण्डेय हर समय लोगों के बीच मौजूद रहते हैं। चाहे किसी

गरीब परिवार की मदद हो, किसी जरूरतमंद को सहयोग पहुंचाना हो या फिर क्षेत्र की समस्याओं को उठाना हो, वे हर मुद्दे पर सक्रिय दिखाई देते हैं।

क्षेत्र के लोगों के अनुसार अमय पाण्डेय हमेशा सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर भी वे लगातार आवाज उठाते रहे हैं। लोगों का मानना है कि क्षेत्र के विकास को लेकर उनकी सोच स्पष्ट और सकारात्मक है।

बांसी क्षेत्र में कई सामाजिक और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से वे लगातार लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। यही कारण है कि युवाओं के साथ–साथ बुजुर्ग और महिलाएं भी उनके कार्यों की सराहना कर रही हैं।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि अमय पाण्डेय की सबसे बड़ी ताकत उनका सरल स्वभाव और लोगों से सीधा जुड़ाव है। बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लोगों के बीच पहुंचना और उनकी समस्याओं को सुनना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है।

बांसी विधानसभा क्षेत्र में आज बड़ी संख्या में युवा अमय पाण्डेय को बदलाव और विकास की नई उम्मीद के रूप में देख रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि इसी तरह वे जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहे तो आने वाले समय में क्षेत्र की राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में उनकी भूमिका और अधिक मजबूत हो सकती है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 मई 2026 सोमवार

सम्पादकीय

परीक्षा और पेपर लीक की विडम्बना

नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की जितनी उम्र है, उससे जुड़े लगभग उतने ही विवाद। साल 2017 में इसकी स्थापना देश की प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं को पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के उद्देश्य से की गई थी। लेकिन, एजेंसी इसमें बार–बार नाकाम रही है। मेडिकल संस्थानों में एडमिशन के लिए होने वाली नीट और यूजी परीक्षा का रद्द होना एनटीए की कार्यप्रणाली पर एक और सवाल है।

पेपर लीक की आशंकाओं के चलते यह प्रवेश परीक्षा रद्द करनी पड़ी है। सरकार ने जांच सीबीआई को सौंप दी है। 3 मई को एग्जाम होने के बाद से ही जिस तरह गेस पेपर के नाम पर सवाल लीक होने की सुगबुगाहट शुरू हुई थी, आशंकाएं गहराने लगी थीं। समस्या है कि छज। के साथ यह बुरा अनुभव लगातार हो रहा है। पेपर लीक, तकनीकी गड़बड़ियां, परीक्षा केंद्रों पर अव्यवस्था और कुछ नहीं तो ग्रेस मार्क्स को लेकर ही विवाद खड़े होते रहे हैं।

नीट एण्ड यूजी परीक्षा दो साल पहले, 2024 में भी विवादों में घिर गई थी। तब बात ग्रेस मार्क्स से शुरू हुई थी और पेपर लीक के आरोपों तक जा पहुंची। देशभर में तब विरोध–प्रदर्शन हुए थे और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। हालांकि पूरे देश में रि–एग्जाम की मांग खारिज हो गई थी। उसी साल फिर यूजीसी नेट परीक्षा को गड़बड़ियों के चलते रद्द करना पड़ा था। इस साल भी CUET&UG के परीक्षा केंद्रों को लेकर शिकायतें आ चुकी हैं।

इस तरह के मामलों का बार–बार उठना न तो एनटीए की विश्वसनीयता के लिए ठीक है और न ही इन परीक्षाओं के लिए। एजेंसी के ऊपर जो जिम्मेदारी है, उस पर लाखों छात्रों का भविष्य टिका है। NEET&UG में ही इस बार करीब 22.79 लाख स्टूडेंट्स बैठे थे। अब उन्हें फिर से परीक्षा के तनाव और चिंता से गुजरना होगा। यह उन लाखों स्टूडेंट्स के साथ नाइंसाफी है, जिन्होंने पूरी मेहनत से पढ़ाई की और मौजूदा सिस्टम पर भरोसा जताया। बार–बार पेपर लीक और गड़बड़ियों से जाहिर है कि एनटीए को अपने काम करने के तरीके में सुधार लाने की जरूरत है। अगर एजेंसी पर ज्यादा बोझ है, तो उसे दूसरी संस्थाओं के साथ बांटा जा सकता है। गलतियों पर जवाबदेही हो और अंतिम वक्त पर लिए जाने वाले फैसलों से बचा जाए। पेपर लीक के दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो, और जिनकी लापरवाही की वजह से ऐसा हुआ, उनके खिलाफ भी एक्शन लिया जाए। एजेंसी के निर्णयों के केंद्र में स्टूडेंट्स का हित होना चाहिए। अपनी गलतियों से सीखने के लिए एक दशक का अनुभव कम नहीं होता।

ट्रंप–जिनपिंग वार्ता

डोनाल्ड ट्रंप हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते हैं, लेकिन चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। पिछले साल अक्टूबर में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात हुई थी, तब मुख्य मुद्दा टैरिफ था, अब जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई हैं और आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे।

लगभग एक दशक बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चीन पहुंचा है। टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है। अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125: तक टैरिफ जड़ दिया। हालांकि रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को समझौता करना पड़ा था। टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की होड़ कायम है। दोनों एक–दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े। ईरान युद्ध के दौरान भी यह देखने को मिला है। ईरान की मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, जबकि चीन ने वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, पर सब नियंत्रण में। इसकी वजह है आपसी निर्भरता और जरूरत।

चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10: की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है। खाड़ी देशों में भी उसका निर्यात घटा है। तेहरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। वह चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर पहुंचे हैं। अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। आलोचकों को डर है कि ताइवान पर ट्रंप नरम पड़ सकते हैं। फिर भी, इस समय दोनों नेता घरेलू मोर्चे पर असहज स्थितियों में फंसे हैं और उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। ईरान में शांति कायम होती है, तो सभी का फायदा होगा।

ट्रंप की चीन यात्राः बड़े बे आबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले

—तनवीर जाफरी—

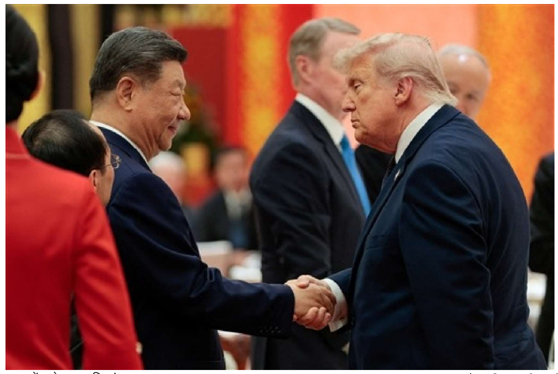

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत 13–14 मई को चीन का बहुप्रतीक्षित दौरा किया। विश्व की इन दोनों महाशक्तियों के प्रमुखों की मुलाकात पर पूरे विश्व की निगाहें लगी हुई थीं। खासकर अमेरिका–ईरान के मध्य चल रहे तनाव के बीच इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा था। दुनिया की नजरें इस बात पर भी टिकी थीं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जोकि अनेक फ्राँस,ब्रिटेन व यूक्रेन जैसे कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ अपनी असामान्य हरकतों से पेश आने व असहज करने वाले बयानों के लिये सुर्खियों में रहते हैं, आखिर चीन में उनकी भाषा,रवैय्या व बर्ताव कैसा रहेगा। बहरहाल,जिस अमेरिकी राष्ट्रपति के आगमन पर दुनिया के तमाम देश अपनी पलकें बिछाये रहते हैं और प्रायः अमेरिकी राष्ट्रपति के समकक्ष ही हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करते हैं वहीं बीजिंग में उनके स्वागत के लिये चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग स्वयं नहीं पहुंचे बल्कि उपराष्ट्रपति हान झेंग ने राष्ट्रपति ट्रंप का स्वागत किया। हान झेंग हालांकि सीधे तौर पर चीन के विदेश मंत्री नहीं हैं परन्तु विदेश मामलों में उनकी भूमिका मुख्यतः कूटनीतिक प्रतिनिधित्व, उच्च–स्तरीय मुलाकातें , और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की होती है।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच बीजिंग में हुई एक उच्च.स्तरीय बैठक के दौरान घटी एक असामान्य घटना ने पूरे विश्व का ध्यान अपनी तरफ खींचा। बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अपने स्थान से उठने के बाद ट्रंप ने शी जिनपिंग के पास रखी उनकी व्यक्तिगत "डायरी" के पन्ने पलट कर चुपके से झांकने की कोशिश की। "निजी ताक–झांक" की इस हरकत को विशेषज्ञों व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा ट्रंप की व्यक्तिगत शैली से जोड़कर देखा गया। इस घटना को दस्तावेज या नोट में बिना पूछे झांकना, दूसरे नेता को "पलायन" या नियंत्रण की स्थिति में दिखाना और संवाद.दौरे के दौरान नर्म दबाव बनाने की चाल चलना आदि के रूप में भी परिभाषित किया गया। दुनिया ने चीन दौरे के दौरान उसी राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 'बॉडी लैंग्वेज' पर भी नजर रखी।

राष्ट्रपति ट्रंप चीन में अत्यंत संतुलित भाषा का प्रयोग करते और अपने चीनी समक्ष के सामने पूरी नरमी से पेश आते दिखाई दिये। अपनी चीन यात्रा के बाद अमेरिकी प्रशासन और स्वयं राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कई स्तरों पर बयान जारी किए गए जिनमें इस यात्रा को "ऐतिहासिक" और "सफल" बताया गया। ट्रंप ने अमेरिका वापस लौटने के बाद कहा कि शी जिनपिंग के साथ हुई बैठक को इतिहास में दो महान शक्तियों (ळ.2) की ऐतिहासिक मुलाकात के रूप में याद किया जाएगा।उन्होंने इस मुलाकात को अविस्मरणीय भी कहा। उन्होंने बताया कि यह "दो महान देशोंश के नेताओं की मुलाकात थी । चीन यात्रा के बाद ईरान पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन दोनों यह मानते हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलने चाहिए और हॉर्मुज जलडमरू मध्य को "तुरंत खोलना" जरूरी है। परन्तु यह बात ट्रंप ने अमेरिका जा कर तो कही जबकि चीन की ओर से अपने बयान में इस बात का कोई जिक्र नहीं हुआ। ट्रंप ने अपनी इस यात्रा को "सौदेबाजी की सफलता" और अमेरिकी उद्योगों के लिए बड़े अवसर के रूप में भी पेश किया।

उधर चीन की ओर से ट्रंप को ताइवान को लेकर सख्त शब्दों में चेतावनी दी गयी जिसके बाद ताइवान मुद्दे पर ट्रंप की भाषा और रुख दोनों ही बदल गये। ट्रंप की यात्रा के बाद चीन ने अपनी "रेड लाइन" को दोहराया और खासकर ताइवान मुद्दे पर अपना सख्त लहजा रखा। चीनी विदेश मंत्रालय और राष्ट्रपति पक्ष के बयानों में ताइवान को अपना "अविभाज्य हिस्सा" बताया गया और यह चेतावनी दी गई कि अगर अमेरिका ने ताइवान के साथ सैन्य.रणनीतिक संबंध बनाए या ताइवान को अधिक हथियार बेचे, तो यह दोनों ताकतों के बीच "टकराव और यहां तक कि संघर्ष" को न्यौता दे सकता है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ट्रंप के समक्ष चेतावनी भरे अंदाज में स्पष्ट शब्दों में जोर देकर कहा कि ताइवान मुद्दा पूरी तरह चीन का "आंतरिक मामला" है और किसी बाहरी ताकत को इसमें हस्तक्षेप करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी, ष्अगर इसे सही तरीके से नहीं संभाला गया तो दोनों देश टकराव या यहां तक कि संघर्ष की स्थिति में पहुंच सकते हैं। ' संभवतः यह पहला अवसर था जबकि किसी राष्ट्राध्यक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष चेतावनी भरे लहजे में श्टकराव और संघर्षश की बात कही हो।

चीन की इस चेतावनी के बाद जो अमेरिका व्यवहार में ताइवान को अपना सबसे बड़ा राजनीतिक व सैन्य सहयोगी मानता आया है, उसे चीन से अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार देता है और चीन के विरोध के बावजूद उसकी स्वतंत्र.जैसी स्थिति को बनाए रखने के लिए रणनीतिक तौर पर समर्थन देता है। उसी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान को चीन से वापसी के बाद अब औपचारिक रूप से ताइवान को आजादी का ऐलान करने के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ट्रंप ने कहा है कि ष्मैं नहीं चाहता कि कोई स्वतंत्रता की ओर बढ़े। ट्रंप ने यह भी कहा कि ष्सोचिए, हमें युद्ध लड़ने के लिए 9,500 मील दूर जाना पड़ेगा। मैं ऐसा नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि हालात शांत हों। मैं चाहता हूं कि चीन भी शांत रहे। ष गौरतलब है कि जो अमेरिका कानूनी तौर पर ताइवान को आत्मरक्षा के लिए संसाधन मुहैया कराने के लिए बाध्य था उसी अमेरिका को चीनी राष्ट्रपति की चेतावनी के बाद चीन के साथ कूटनीतिक संबंध बनाए रखने के कारण अब संतुलन साधना पड़ रहा है। उधर चीन स्पष्ट रूप से ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है। और वो ये भी कहता रहता है कि जरूरत पड़ने पर वह बल प्रयोग से उसे अपने अधीन कर सकता है।

चीन ने ईरान युद्ध को लेकर भी अमेरिकी रुख का समर्थन करने के बजाये इसे इस तरह की लड़ाई बताया जो "मूल रूप से होनी ही नहीं चाहिए थी" गोया अमेरिका–इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपा गया युद्ध। चीन ने अमेरिका और ईरान के बीच जल्द समाधान की जरूरत पर भी जोर दिया। व्यापारिक स्तर पर भी ट्रंप को उतनी बड़ी सफलता हासिल नहीं हुई जितनी उम्मीद की जा रही थी। क्योंकि उनके साथ एलन मस्क,टिम कुक,जेन्सेन हुआंग,संजय मेहरोत्रा,केली ऑर्टबर्ग जैसे विश्व के 17 प्रमुख अमेरिकी उद्योगपति और कॉर्पोरेट अधिकारी बीजिंग गए थे। कुल मिलाकर ट्रंप को बीजिंग से जहां ताइवान को लेकर चेतावनी मिली वहीं ईरान मामले को लेकर भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका। ट्रंप की इस यात्रा के लिये बस यही कहा जा सकता है कि श्बड़े बे आबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले'।

लो आ गये पुराना सोना बेचने के दिन

—नीरज कुमार दूबे—

हाल ही में सोने के आयात शुल्क में बढ़ोतरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोगों से सोने की खरीद कुछ समय के लिए टालने की अपील के बाद देश की प्रमुख आभूषण कंपनियां अब सोना पुनर्चक्रण योजनाओं यानि गोल्ड रि–साइक्लिंग स्कीम्स को तेजी से बढ़ावा दे रही हैं। इस पहल का उद्देश्य एक ओर घरेलू बाजार में सोने की मांग को संतुलित करना है, वहीं दूसरी ओर सोने के आयात पर निर्भरता कम कर देश को सीमा शुल्क भुगतान में राहत दिलाना भी है। देश की जानी मानी कंपनियां जैसे Kalyan Jewellers] Malabar Gold & Diamonds] Muthoot EŪim] MMTC&PAMP और Tanishq पुरानी ज्वेलरी, टूटे हुए आभूषण, पुराने डिजाइन के गहने और सोने के सिक्कों को नए गहनों के बदले स्वीकार कर रही हैं। इन कंपनियों का दावा है कि इससे नया कारोबार भी बढ़ेगा और सोने के आयात का दबाव भी घटेगा।

मुथूट एक्जिम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कीयूर शाह के अनुसार सोना पुनर्चक्रण का मतलब ग्राहकों से पुराना सोना खरीदकर उसे शुद्ध करना और फिर दोबारा उद्योग में उपयोग के लिए उपलब्ध कराना है। उनका कहना है कि यदि भारतीय घरों में मौजूद कुल सोने का केवल एक प्रतिशत भी पुनर्चक्रित हो जाए तो देश का सोना आयात लगभग तीन सौ टन तक कम हो सकता है। यह भारत के कुल वार्षिक सोना आयात का लगभग चालीस प्रतिशत है।

हम आपको बता दें कि कंपनियों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अलग अलग योजनाएं शुरू की हैं। कल्याण ज्वेलर्स ने 'नेशन फर्स्ट गोल्ड फॉर इंडिया' पहल के तहत पुराना सोना विनिमय योजना शुरू की है। इसके तहत ग्राहक अपने पुराने या अनुपयोगी गहनों को नए डिजाइन में बदलवा सकते हैं। वहीं मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने अपनी स्वर्ण मौद्रीकरण योजना में न्यूनतम जमा सीमा दस ग्राम से घटाकर केवल एक ग्राम कर दी है। कंपनी ग्राहकों को सोने के वजन या नकद दोनों रूपों में भुगतान का विकल्प दे रही है। मुथूट एक्जिम के देशभर में सौ केंद्र हैं और कंपनी के अनुसार उसने अब तक करीब पांच टन पुराना सोना खरीदा है। चालू वित्त वर्ष में ही लगभग एक हजार किलोग्राम सोना पुनर्चक्रण के लिए जुटाया गया है। दूसरी ओर तनिष्क की 'ओल्ड गोल्ड न्यू इंडिया' मुहिम के अंतर्गत नौ कैरेट से बाइस कैरेट तक के सोने को स्वीकार किया जा रहा है। कंपनी किसी भी ज्वेलर का सोना लेने का दावा करती है, चाहे वह टूटा हुआ या छोटा आभूषण ही क्यों न हो।

देखा जाये तो ग्राहकों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह रहता है कि पुराने गहनों का मूल्यांकन किस प्रकार किया जाता है। कंपनियों का कहना है कि अब पारंपरिक अंदाजे की बजाय वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। कल्याण ज्वेलर्स के अनुसार सोने की शुद्धता जांचने के लिए कैरेट मीटर और सटीक वजन मशीनों का उपयोग किया जाता है। मुथूट एक्जिम ने बताया कि वह एक्स आर एफ तकनीक वाली मशीनों का प्रयोग करता है, जिससे केवल तीस सेकंड में यह पता चल जाता है कि गहनों में सोने, चांदी, तांबा, जस्ता या निकल की कितनी मात्रा है। वहीं एमएमटीसी पैंप ने कहा कि उसकी प्रक्रिया में जर्मन तकनीक आधारित आधुनिक मशीनों का उपयोग होता है, जिससे ग्राहकों के गहनों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचता।

हम आपको बता दें कि पुराने सोने के बदले मिलने वाली राशि बाजार भाव और शुद्धता पर निर्भर करती है। मुथूट एक्जिम प्रतिदिन भारतीय बुलियन और ज्वेलर्स एसोसिएशन के बाजार भाव के अनुसार मूल्य तय करता है। कुछ कंपनियां सेवा शुल्क भी वसूलती हैं। मुथूट एक्जिम सोने की कीमत का लगभग तीन प्रतिशत सेवा शुल्क लेता है, जबकि एमएमटीसी पैंप वस्तु एवं सेवा कर के साथ अन्य शुल्क भी लागू करता है। कल्याण ज्वेलर्स का कहना है कि पुराने सोने के विनिमय पर कर नहीं लगता, केवल नए गहनों की खरीद पर कर देय होता है। कंपनी ने दावा किया है कि दस ग्राम सोने पर ग्राहकों को लगभग पूरा मूल्य दिया जाता है और केवल मिश्रित धातु अलग करने का मामूली शुल्क लिया जाता है। इसी बीच आभूषण उद्योग का विस्तार अब शॉपिंग मॉल संस्कृति को भी प्रभावित कर रहा है। नई दिल्ली समेत देश के प्रमुख शहरों में ज्वेलरी स्टोर अब बड़े मॉलों के प्रमुख आकर्षण बनते जा रहे हैं। चार वर्ष पहले जहां मॉल क्षेत्रफल का केवल एक प्रतिशत हिस्सा आभूषण दुकानों के पास था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग दस प्रतिशत तक पहुंच गया है।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनियों के अनुसार संगठित खुदरा बाजार में आभूषण क्षेत्र की हिस्सेदारी वर्ष 2019 के दो प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में आठ प्रतिशत तक पहुंच गई है। हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली एनसीआर जैसे शहरों में बड़े आकार के ज्वेलरी शोरूम तेजी से खुल रहे हैं। उपभोक्ताओं का भरोसा संगठित और प्रतिष्ठित ब्रांडों की ओर बढ़ने से यह क्षेत्र मॉल संचालकों के लिए प्रमुख किरायेदार बन गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आभूषण खरीद अभी भी भरोसे और अनुभव पर आधारित है। लोग परिवार के साथ दुकान जाकर डिजाइन देखना और समझकर खरीदारी करना पसंद करते हैं। यही कारण है कि यह क्षेत्र ऑनलाइन बिक्री से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हुआ है। तनिष्क, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, कल्याण ज्वेलर्स और कैरटलैन जैसे ब्रांड अब महानगरों के साथ छोटे शहरों में भी मॉलों के लिए भीड़ आकर्षित करने वाले प्रमुख केंद्र बन चुके हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ आखिर कब तक...?

— डॉ. रमेश ठाकुर—

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच–पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। 'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बडेध–बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा?

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच–पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।

पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकडेध गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर–तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट–कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्पपत्रों के सेट बदले हुए और अलग–अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता।

केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र–निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हर्जाना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून–प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा–जुर्माने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गडबड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड़ कर दिया। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे–पूरे 720 नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र पढ़ने में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपरों को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू प्रश्न गेस पेपरों में मिले।

लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है। ऐसी घटनाओं के घट जाने के बाद छात्र सिर्फ सरकार से ही न्याय की उम्मीद करते हैं। उनकी उम्मीदें नहीं टूटनी चाहिए।

मेडिकल व्यापारियों की समस्याओं को लेकर 20 को भारत बंद को लेकर बनाई रणनीति

संवाददाता–बलरामपुर। जिला मुख्यालय स्थित गनेशा लॉन में रविवार को बलरामपुर केमिस्ट एसोसिएशन की जिला इकाई की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेडिकल व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए आगामी 20 मई को प्रस्तावित भारत बंद को सफल बनाने की रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष शमशुल हुदा खान ने की, जबकि संचालन महासचिव कुमारदीप मिश्र ने किया। अध्यक्ष ने मेडिकल व्यापार से जुड़े सदस्यों एवं व्यवसायियों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान को लेकर संगठनात्मक रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सभी को एकजुट रहना होगा।

उन्होंने सुझाव दिया कि कुछ लोग संगठन से जुड़े बिना भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, इसलिए सदस्यों को सतर्क रहने की जरुरत है। जिला महासचिव कुमारदीप मिश्र व जिला संगठन मंत्री आमिर मकरानी ने 20 मई को प्रस्तावित भारत बंद को सफल बनाने के लिए विस्तृत योजना साझा की। उन्होंने कहा कि संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता है और सभी दवा व्यापारियों को अपनी दुकानें बंद रखकर आंदोलन को सफल बनाना चाहिए। इस दौरान दवा व्यापार से जुड़े विभिन्न मुद्दों जैसे एक्सपायरी दवाएं, ब्रेकेज, फूड लाइसेंस, ड्रग लाइसेंस नवीनीकरण, नकली दवाओं की रोकथाम, डॉक्टरों को दवा सप्लाई, ऑनलाइन बिक्री, ऑन–डील्स पोर्टल व साइन बोर्ड पर डिस्काउंट लिखने जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। महामंत्री ने बताया कि 20 मई को प्रातः 8रू30 बजे अस्पताल परिसर से एक रैली निकाली जाएगी। अधिक से अधिक दवा व्यापारियों से शामिल होकर बंदी को सफल बनाने की अपील की गई। कोषाध्यक्ष रामप्रीत गुप्त ने थोक व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए रणनीति बनाने का सुझाव दिया। संगठन मंत्री आमिर मकरानी ने संगठन के कार्यों व उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बैठक में जमाल अहमद, शाहिद हसन सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

लोगो को जागरूक करेंगे स्वास्थ्य कर्मी, दिलाई गई शपथ

संवाददाता–श्रावस्ती। सीएमओ कार्यालय में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस दौरान चिकित्साकर्मियों को डेंगू से बचाव के प्रति स्वयं जागरूक होकर लोगों को जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। इसी दौरान सभी सीएचसी पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में एसीएमओ डॉ वीके श्रीवास्तव ने कहा कि डेंगू से बचाव की प्रारंभिक दवा साफ–सफाई है। इसलिए हम सभी को अपने आसपास नियमित रूप से सफाई करनी चाहिए। मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए कूलर, टायर, नारियल के खोल व अन्य पात्रों में पानी जमा न होनें दें। आसपास गड्ढे हों तो वहां पर लार्वा नाशक दवा का छिड़काव करें। इससे डेंगू को नियंत्रित किया जा सकता है। मच्छरों से बचाव के लिए हमेशा पूरी बांह के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। यदि किसी को तेज बुखार, शरीर में दर्द व कमजोरी महसूस हो तो तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें। यह डेंगू के लक्षण हो सकते हैं। इसलिए इलाज में लापरवाही कतई न करें। इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी आलोक कुमार, गोविंद शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

इन्फ्लुएंसर एश्टन हॉल की बृजभूषण से मुलाकात, पूर्व सांसद को 'फाइनल बॉस' बताया

संवाददाता–गोण्डा। अमेरिकी फिटनेस आइकॉन और मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एश्टन हॉल दो दिन के लिए गोंडा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह और उनके सांसद बेटे करण भूषण से मुलाकात की। करण उन्हें नंदिनी नगर शूटिंग रेंज लेकर गए। उन्हें पूरा शूटिंग रेंज दिखाया। एश्टन हॉल ने निशाना लगाने की इच्छा जताई। इसके बाद, करण भूषण ने उन्हें राइफल थमा दी। निशानाबाजी के टिप्स दिए। एश्टन हॉल ने भी दो बार राइफल से फायर किया। एश्टन हॉल इस एक्सपीरियंस से काफी खुश नजर आए। उन्होंने सांसद करण भूषण सिंह को थैंक्यू भी बोला। एश्टन हॉल ने जिम में बृजभूषण की गदा उठाकर एक्सरसाइज भी किया। नंदिन नगर कॉलेज में बच्चों के साथ क्रिकट खेला। घुड़सवारी की। एश्टन हॉल के साथ आए इंडियन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर योगेंद्र कुशवाहा को भी सांसद करण भूषण सिंह ने निशानेबाजी सिखाई। उन्हें लोग इंडियन एश्टन हॉल कहते हैं।

दरअसल, एश्टन हॉल 4 दिनों के इंडिया दौरे पर हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 18.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इंडिया विजिट के दौरान वह देश के विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ी हस्तियों से मुलाकात कर रहे हैं। साथ ही, वह इन अनुभवों को अपने कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। रविवार सुबह एश्टन हॉल नंदिनी नगर शूटिंग रेंज पहुंचे। यहां पर सांसद करण भूषण सिंह ने एश्टन हॉल का स्वागत किया। शूटिंग रेंज पर ले जाकर निशानेबाजी सिखाई। इसके बाद सांसद करण भूषण उन्हे अपने घर ले गए। यहां उन्हें हेलीकॉप्टर, घर और अस्तबल दिखाया। एश्टन हॉल ने घुड़ सवारी का भी आनंद लिया। करण ने पिता बृजभूषण शरण सिंह का जिम दिखाया। यहां रखी गदा देखकर एश्टन हॉल एक्साइटेड हुए। गदा उठाकर एक्सरसाइज करने लगे। यह देखकर सभी मुस्कुराए। इस पूरी मुलाकात के दौरान, एश्टन हॉल और योगेंद्र कुशवाहा ने करण भूषण सिंह की जमकर तारीफ की। दोनों ने गोंडा आकर और निशानेबाजी का अनुभव प्राप्त कर अपनी खुशी जाहिर की है। बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने कहा, फिटनेस के मामले में एश्टन हॉल का कोई तोड़ नहीं है। लोग कुछ ना कुछ इनसे सीखते रहते हैं। गोंडा आने पर मैंने इनका स्वागत किया। निशानेबाजी सिखाई है। घुड़सवारी करवाई। अपना घर भी दिखाया। इसके बाद एश्टन हॉल अपनी टीम के साथ रवाना हो गए। वहीं शनिवार को एश्टन हॉल ने करण भूषण सिंह के पिता और पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह से मुलाकात की थी। नंदिनी नगर महाविद्यालय स्थित कार्यालय में बृजभूषण शरण सिंह ने एश्टन हॉल और उनके साथ आए साथियों का माला पहनाकर स्वागत किया था।

इसके बाद दोनों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। मुलाकात के बाद बृजभूषण शरण सिंह एश्टन हॉल को भारतीय कुश्ती संघ के कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र ले गए थे। वहां उन्होंने ट्रेनिंग ले रहे पहलवानों से मुलाकात की। उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। एश्टन हॉल ने बच्चों को फिटनेस को लेकर टिप्स दिए। बृजभूषण शरण सिंह और एश्टन हॉल ने कई पहलवानों को कुश्ती किट दी। उन्हें मन लगाकर ट्रेनिंग करने के लिए मोटिवेट किया। बाद में एश्टन हॉल ने नंदिनी नगर महाविद्यालय के मैदान में बच्चों के साथ क्रिकेट खेला। इसके बाद एश्टन हॉल, बृजभूषण शरण सिंह के घर पहुंचे।

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि अमेरिका से आए अतिथि का स्वागत किया गया है। उन्होंने कुश्ती सीख रहे बच्चों से मुलाकात की, किट वितरित की और बाद में उनके घर, हेलीकॉप्टर व घोड़ों को देखने के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा, स्थानीय बच्चों और लोगों ने भी एश्टन हॉल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

आक्रामक कुत्तों के हमले में दो बच्चे घायल

बहराइचसंवाददाता। जिले में कुत्तों का हमला थम नहीं रहा है। 12 घंटे के अंदर रिसिया थाना क्षेत्र में कुत्तों ने दो बच्चों पर हमला कर गंभीर रूप से घायल किया है। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को घर भेज दिया गया है। लगातार हो रहे हमले से अभिभावक बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं कुत्तों के हमले से बचाने के लिए जिम्मेदार विभागीय अधिकारी पूरी तरह से मौन हो चुके हैं। रिसिया थाना क्षेत्र के रविदास मोहल्ला निवासी 12 वर्षीय राज कुमार पुत्र नंद किशोर शनिवार को देर शाम सब्जे लेने के लिए दुकान गया था। लौटते समय कुत्तों के झूंड ने उसे घेर कर हमला कर दिया। शोर सुनकर पहुंचे आसपास के लोगों ने उसे कुत्तों से बचाया।पैर में दांत लगने से घायल राजकुमार को सीएचसी ले जाया गया।

पुलिस में ई–ऑफिस प्रणाली लागू

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस विभाग में ई–ऑफिसध्पेपरलेस प्रणाली लागू करने के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह की अध्यक्षता में यह प्रशिक्षण रविवार को पुलिस सभागार में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस विभाग को आधुनिक और पारदर्शी बनाना है। इसमें जनपद के सभी थाना कार्यालयों और विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों को ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से पत्रावलियों के निस्तारण और पत्राचार की आधुनिक प्रक्रिया से अवगत कराया गया। बताया गया कि ई–ऑफिस डिजिटल इंडिया अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो सरकारी कार्यप्रणाली को सरल, पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाएगा।

प्रशिक्षण में दैनिक डाक और पत्रावलियों को पूरी तरह पेपरलेस व इलेक्ट्रॉनिक तरीके से संचालित करने की प्रक्रिया सिखाई गई। इसमें फिजिकल फाइलों को डिजिटल फॉर्मेट में बदलना, डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग करना और जनसामान्य से प्राप्त प्रार्थना पत्रों का त्वरित व पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करना शामिल है। अधिकारियों को बताया गया कि यह प्रणाली न केवल कार्य की गति बढ़ाएगी, बल्कि रिकॉर्ड को सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से संरक्षित भी रखेगी।

अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन शाखाओं में इंटरनेट या कंप्यूटर सिस्टम की कमी है, वहां तत्काल आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। इसका उद्देश्य ई–ऑफिसध्पेपरलेस व्यवस्था को पूरी क्षमता के साथ लागू करना है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–बी संजय मिश्रा सहित पुलिस कार्यालय की सभी शाखाओं के लगभग 40 अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने इस पहल को पुलिस प्रशासन में तकनीकी सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जिससे भविष्य में जनता को भी तेज और बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

16 जुआरी गिरफ्तार, 2.08 लाख रुपए जब्त

संवाददाता–गोण्डा। जिले की वजीरगंज पुलिस ने अवैध जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अंतरजनपदीय जुआ रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 16 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से कुल 2 लाख 8 हजार 440 रुपये नकद और ताश के पत्ते बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से जुआ खेलते समय 2 लाख 1 हजार 600 रुपये बरामद हुए। इसके अतिरिक्त, तलाशी के दौरान उनके पास से 6 हजार 840 रुपये और मिले, जिससे कुल बरामदगी 2 लाख 8 हजार 440 रुपये हो गई। पुलिस ने 52 ताश के पत्तों की दो गड्डियां भी जब्त की हैं। गिरफ्तार किए गए 16 आरोपियों में उत्तराखंड के राजीव सक्सेना, अयोध्या के अभिनेश कुमार, रंजीत सोनकर, राजकरन, संजय यादव, उमेश, कामरान, जयनुल, अबरार, बस्ती के तोहिद, दीनानाथ और गोंडा के विष्णु, दीपनारायण, वंश पांडेय, विकास सोनी, मोहम्मद नासिर शामिल हैं। ये सभी आरोपी वजीरगंज थाना क्षेत्र के बहादुरा गांव में सड़क किनारे सार्वजनिक स्थान पर हार–जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने छापेमारी के दौरान इन्हें ताश के पत्तों से जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा। वजीरगंज पुलिस ने सभी 16 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 13 (सार्वजनिक जुआ अधिनियम) के तहत मुकदमा दर्ज किया।

रास्ते से कब्जा हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम का विरोध, पुलिस–प्रशासन वापस लौटा

संवाददाता–गोण्डा। जिले की सदर तहसील के हारीपुर ग्राम पंचायत में आज रविवार दोपहर 2 बजे बुलडोजर के साथ अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंची राजस्व टीम और पुलिसकर्मियों को विरोध के चलते खाली हाथ लौटना पड़ा है। नगर मजिस्ट्रेट गोंडा के आदेश पर आबादी में बने रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटवाने के लिए टीम मौके पर पहुंची थी। सदर नायब तहसीलदार चंदन कुमार और नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी बुलडोजर के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे। टीम ने जैसे ही अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की, उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। रामखेलावन, जिन पर अतिक्रमण का आरोप है, ने कार्रवाई का विरोध करते हुए तर्क दिया कि उनका मामला दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है और स्टे की तारीख लगी है।

इस दौरान स्थानीय ग्राम प्रधान भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने भी कार्रवाई का विरोध करते हुए न्यायालय में मामला होने की बात कही है। इसके बाद राजस्व टीम बुलडोजर के साथ बिना कार्रवाई किए मौके से वापस लौट गई। यह कार्रवाई अखिलेश कुमार वर्मा द्वारा नगर मजिस्ट्रेट के यहां दायर एक वाद के बाद की जा रही थी। वर्मा ने मांग की थी कि गाटा संख्या 142 खा जो कि आबादी की जमीन है और उस पर एक रास्ता बना हुआ है, उसे रामखेलावन ने अवैध रूप से अतिक्रमित कर रोक दिया है। नगर मजिस्ट्रेट ने सुनवाई के बाद वर्ष 2024 में अवैध अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। हालांकि, लगभग दो साल बीत जाने के बाद भी उनके आदेश का अनुपालन नहीं हो पाया है। रामखेलावन ने बताया कि उनका मामला न्यायालय में चल रहा है। उन्होंने कहा कि आज जब अधिकारी कार्रवाई करने आए तो उन्होंने अपने कागजात दिखाए और विरोध किया,जिसके बाद वे वापस चले गए। रामखेलावन ने जल्द ही स्टे मिलने की उम्मीद जताई। नायब तहसीलदार चंदन कुमार ने बताया कि मौके पर भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे। विवाद की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका के चलते आज अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं हो पाई।उन्होंने आश्वासन दिया कि न्यायालय के आदेश का अनुपालन जल्द ही कराया जाएगा। टीम नगर मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुपालन में ही मौके पर गई थी।

एचआईवी व टीबी मरीजों के इलाज में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संवाददाता–महराजगंज। जिला क्षय रोग कार्यालय सभागार में जिला एड्स नियंत्रण समिति की समीक्षा बैठक हुई। अध्यक्षता करते हुए जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र आर्या ने संक्रमित मरीजों का शीघ्र पंजीकरण, नियमित फॉलोअप, समय से दवा उपलब्धता व काउंसिलिंग व्यवस्था पर जोर दिया। अधिकारियों ने निर्देश दिया की टीबी व एचआईवी मरीजों के उपचार में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में दिशा क्लस्टर महराजगंज के अधिकारी डॉ. नितीश राय, प्रभारी एआरटी सेंटर उपेन्द्र तिवारी व डॉ. एबी त्रिपाठी ने जनपद में चल रहे एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की स्थिति की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एचआईवी संक्रमित मरीजों की समय पर पहचान कर उनका शीघ्र एआरटी सेंटर में पंजीकरण कराना बेहद जरूरी है, ताकि उन्हें नियमित उपचार, परामर्श व दवाएं समय से उपलब्ध कराई जा सकें।

बंद मकान को बनाया निशाना, लाखों के जेवरात व सामान चोरी

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के बसहिया खुर्द गांव में चोरों ने बंद पड़े मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात व घरेलू सामान की चोरी कर ली। घटना की जानकारी उस समय हुई जब घर में लगा सीसीटीवी कैमरा अचानक बंद हो गया। परिवार को अनहोनी की आशंका होने पर रिश्तेदार को घर भेजा गया, जहां चोरी की घटना सामने आई। बसहिया खुर्द गांव निवासी ओमप्रकाश गुप्ता 28 अप्रैल को पूरे परिवार के साथ मुंबई गए हैं। घर बंद होने के कारण सुरक्षा के लिए मकान में सीसीटीवी कैमरा लगाया गया था, जिसकी निगरानी मोबाइल फोन के माध्यम से की जा रही थी। शनिवार को अचानक कैमरे का लाइव फुटेज बंद हो गया। इस पर परिवार के लोगों को शक हुआ और उन्होंने रिश्तेदार आदित्य गुप्ता को घर जाकर देखने के लिए कहा। आदित्य जब मौके पर पहुंचे तो घर का मुख्य दरवाजा बंद मिला, लेकिन पीछे का दरवाजा टूटा हुआ था अंदर जाकर देखा तो कमरों का सामान बिखरा पड़ा था और आलमारी का लॉक टूटा हुआ था। चोर घर के पीछे का कुंडी काटकर घर में दाखिल हुए थे। आलमारी में रखे सोने का हार, चेन, मंगलसूत्र, अंगूठियां, झुमका, नथिया समेत चांदी के जेवरात, बर्तन, कपड़े और अन्य कीमती सामान चोर उठा ले गए। चोरी गए सामान की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही गांव के लोग मौके पर जुट गए। सूचना पाकर श्यामदेउरवां पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही चोरी के सुराग जुटाने का प्रयास किया। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शतचंडी महायज्ञ और रामलीला का शुभारंभ

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवा क्षेत्र के बड़हरा बरईपार में रविवार को नौ दिवसीय श्री शतचंडी महायज्ञ और रामलीला का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा कार्यक्रम स्थल से शुरू होकर शिव चौक, परसहिया, बड़हरा चौक और ऊटी पर स्थित शमा माता मंदिर से होते हुए बलुवाभार, परसौना, बरौली और बड़हरा से गुजरकर काली माता के तट पर पहुंची। यहां यज्ञाचार्य पंडित ओमकार नाथ पाण्डेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरा। इसके बाद कलश को वापस यज्ञ मंडप में स्थापित किया गया। इस दौरान भारी पुलिस बल भी मौजूद रही। मुख्य यजमान धर्मेंद्र निषाद ने बताया कि नौ दिवसीय महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन रात आठ बजे से वृंदावन के कलाकारों द्वारा रासलीला का मंचन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कथावाचक श्रवण व्यास द्वारा कथा का आयोजन भी होगा। इस अवसर पर काशीनाथ सिंह, वीरेंद्र उर्फ मुलायम, शत्रुधन कन्नौजिया, पंकज, उमापति, बृजेश, दीपू, राज और अच्छेलाल चौधरी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण पर बैठकः ग्राम स्तर पर जागरूकता और पौधों के संरक्षण पर जोर

संवाददाता–महराजगंज। सुरेन्द्र मणि त्रिपाठी मेमोरियल ट्रस्ट ने वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में इन विषयों से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष अंकुर मणि त्रिपाठी ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष वृक्षारोपण कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा। इसके तहत ग्राम स्तर पर गांव–गांव जाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। त्रिपाठी ने इस बात पर जोर दिया कि केवल अधिक संख्या में पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा और उनके विकास तक संरक्षण करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि पौधों की उचित देखभाल और सुरक्षा नहीं की जाएगी, तो वृक्षारोपण अभियान अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जब तक आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता नहीं आएगी, तब तक वृक्षारोपण कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता। इसलिए ट्रस्ट विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाएगा, जिससे लोग स्वयं आगे आकर पौधारोपण करें और उनकी सुरक्षा का दायित्व भी निभाएं। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण के साथ–साथ मौजूदा वृक्षों को बचाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण के इस महत्त्वपूर्ण अभियान को सफल बनाया जा सके। इस अवसर पर डॉ. नवीन श्रीवास्तव, शिव प्रसाद शुक्ला, हरिशंकर कुशवाहा, धनंजय कुमार, आर्यन सिंह, गोरखनाथ पासवान, डॉ. मोहनलाल, प्रवीण पांडेय, राकेश पटेल और आदित्य तिवारी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

लड़की ने दुपट्टे से फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता–देवरिया। बघौचघाट थाना क्षेत्र के रामपुर महुआबारी गांव में रविवार को एक किशोरी का शव संदिग्ध हालात में मिला। उसका शव घर के अंदर छप्पर में लगे बांस से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मौके से कोई सुसाइड लेटर बरामद नहीं हुआ है। मृतका की पहचान 17 वर्षीय प्रियंका प्रसाद के रूप में हुई है, जो मन्नू प्रसाद की पुत्री और रामपुर महुआबारी गांव की निवासी थी। प्रियंका ने कक्षा आठ तक पढ़ाई की थी और घर पर ही रहती थी। रविवार दोपहर परिवार के सदस्यों ने उसका शव लटका हुआ देखा। बघौचघाट थाना पुलिस ने गांव पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस घटनास्थल से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।परिजनों ने बताया कि प्रियंका अपने परिवार में सबसे छोटी थी। उसके दो भाई रोहित और हृदयानंद तथा तीन बहनें हैं। उसकी मां का नाम ज्ञानती देवी है। बघौचघाट थानाध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी ने जानकारी दी कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस फिलहाल सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट ने कस्टम ड्यूटी पर रोक लगाई

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल सुप्रीम कोर्ट ने भारत–नेपाल सीमा पर 100 से अधिक की खरीदारी पर लगाए गए कस्टम ड्यूटी के विवादित फैसले पर रोक लगा दी है। कोर्ट के इस निर्णय से भारत–नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों के व्यापारियों और आम लोगों में खुशी का माहौल है। व्यापारियों का मानना है कि इस फैसले से सीमा क्षेत्र के बाजारों में फिर से रौनक लौटेगी और दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे। यह नियम नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की सरकार द्वारा लागू किया गया था। इसके तहत नेपाली नागरिकों को भारत से 100 से अधिक के रोजमर्रा के सामान खरीदने पर नेपाल सीमा में प्रवेश करते समय सीमा शुल्क देना पड़ता था। इस फैसले के बाद नेपाली नागरिकों ने भारतीय बाजारों में खरीदारी कम कर दी थी, जिससे महराजगंज, सोनौली और अन्य सीमावर्ती बाजारों के व्यापार पर सीधा नकारात्मक असर पड़ा था। बाजारों में ग्राहकों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई थी।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब 100 से अधिक के सामान पर फिलहाल सीमा शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस जानकारी से सीमावर्ती व्यापारियों ने राहत की सांस ली है। व्यापारियों ने इस संदर्भ में कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता श्रोटी–बेटीश का रहा है और दोनों देशों के लोगों का आपसी जुड़ाव सदियों पुराना है। ऐसे फैसलों से दोनों देशों के लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सोनौली बाजार में खरीदारी करने पहुंचे नेपाली नागरिकों ने भी सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि पहले रोजमर्रा के सामानों की खरीदारी में अतिरिक्त शुल्क देना पड़ता था, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ गया था। कोर्ट के इस फैसले से आम लोगों को राहत मिलेगी और सीमा क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियां पुनः तेज होंगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह निर्णय भारत–नेपाल के संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

कबीर मठ पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। जिले के संत इसराही गांव स्थित कबीर मठ पर कब्जे के प्रयास और पुजारी को धमकी दिए जाने के आरोप को लेकर रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण सदर कोतवाली पहुंचे। ग्रामीणों ने पुजारी के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई और मठ की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

मठ के महंत राम प्रसाद दास ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि वह कई वर्षों से कबीर मठ में पूजा–पाठ और धार्मिक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में कुछ लोग एक अन्य व्यक्ति को मंदिर में लाकर पूजा–पाठ कराने के बहाने मठ और उससे जुड़ी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

महंत का आरोप है कि जब उन्होंने इस प्रयास का विरोध किया, तो उन्हें मंदिर छोड़कर भाग जाने की धमकी दी गई। साथ ही, उन्हें जान से मारने की चेतावनी भी दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग मंदिर परिसर में जबरन प्रवेश कर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे गांव में तनाव की स्थिति बन रही है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के सैकड़ों महिला और पुरुष पुजारी के समर्थन में एकजुट होकर सदर कोतवाली पहुंचे। ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की कि मठ पर अवैध कब्जे की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और पुजारी को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीणों का कहना था कि कबीर मठ गांव की आस्था का केंद्र है और यहां वर्षों से धार्मिक परंपराएं चली आ रही हैं। ऐसे में किसी भी तरह का विवाद या कब्जे का प्रयास लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकता है। सदर कोतवाली पुलिस ने ग्रामीणों को मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

राष्ट्रवाद के भाव से आचरण ही भाजपा कार्यकर्ता की पहचान –मुख्यमंत्री

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज कांग्रेस, सपा, राजद, टीएमसी, डीएमके या ऐसे ही भ्रष्टाचार में डूबे अन्य दलों के आचरण को सम्मान नहीं देता है। भाजपा कार्यकर्ता को समाज में सम्मान इसलिए मिलता है कि इस पार्टी के कार्यकर्ता का आचरण में राष्ट्रवाद और भारतीयता का आचरण मिलता। भाजपा का कार्यकर्ता पार्टी के संस्थापकों के मूल्यों और आदर्शों पर चलते हुए देश की एकता और अखंडता के लिए शुचिता और पारदर्शिता से आचरण और तदनुरूप कार्य करता है। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के सहजनवा विधानसभा क्षेत्र स्थित तेनुआ टोल प्लाजा के समीप एक रिजॉर्ट में भाजपा के जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत पार्टी की जिला इकाई की तरफ से आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में शामिल प्रतिभागियों को 'राष्ट्र प्रथम' के भाव से अनवरत आगे बढ़ते रहने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा, संस्कृति, सुशासन और समृद्धि को जोड़ने का काम करने वाली भाजपा एकलौती पार्टी है। केंद्र और भाजपा की राज्य सरकारों ने इसी को अपने कार्यक्रमों का आधार बनाया है.

'भाजपा का इतिहास और विकास' विषय पर केंद्रित जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्थापना के 50 वर्ष से भी कम समय में भाजपा ने दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में केंद्र और देश के 22 राज्यों में राष्ट्रवाद की विचारधारा को लागू करने के अभियान को आगे बढ़ाया है। भाजपा देश ही नहीं दुनिया का एकमात्र राजनीतिक दल है जिसने हमेशा और मजबूती से यह घोषणा की है कि राष्ट्र प्रथम, दल द्वितीय और व्यक्ति का हित अंतिम होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्र प्रथम के भाव से पार्टी के संस्थापकों ने जो मूल्य, आदर्श और संस्कार दिए हैं, उन्हीं का अनुसरण करते हुए कार्यकर्ता जब राष्ट्रवाद की बात करते हैं तो देश ही नहीं दुनिया के भारतवंशियों के सामने पार्टी के रूप में सिर्फ भाजपा का ही चेहरा और कमल का फूल चुनाव निशान सामने होता है। सीएम योगी ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान निर्मित हुआ और 26 जनवरी 1950 को भारत ने अपना संविधान अंगीकार किया। देश मे संसदीय प्रणाली लागू हुई। पर, अभी पहला आम चुनाव भी नहीं हुआ कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण के जिन कारणों से देश का विभाजन हुआ था, उसे ही फिर से भारत की राजनीति का हिस्सा बनाना प्रारंभ कर दिया। अभी संविधान ठीक ढंग से लागू होना प्रारंभ ही नहीं हुआ कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण का खेल प्रारंभ किया। सीएम योगी ने कहा कि तब राष्ट्रीय स्वयं सेवकसंघ को लगा कि एक ऐसा दल गठित करना चाहिए जो भारत की राष्ट्रीयता और बेहतर भविष्य के लिए कार्ययोजना बनाने में योगदान दे सके। तब भारत सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा देकर देश के लिए लड़ने वाले, वीर बलिदानी, महान शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में यह जिम्मेदारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के न चाहने के बावजूद कांग्रेस सरकार ने देश से विश्वासघात करते हुए कश्मीर में धारा 370 और परमिट सिस्टम लागू कर दिया। इसके खिलाफ सबसे पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आवाज उठाई। उस समय उन्होंने कहा था कि एक देश मे दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नही चलेंगे। जब सरकार नहीं मानी तो वे इस अनैतिक, भारत विरोधी, संविधान विरोधी कृत्य का विरोध करने कश्मीर गए। कश्मीर में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और विश्वासघात कर जेल में उनकी हत्या करवा दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलिदानों की यह परंपरा आगे बढ़ती है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनसंघ के मूल्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाने का गुरुत्तर दायित्व दिया गया। पंडित उपाध्याय एक ऐसे विचारक थे जिन्होंने अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति के लिए भी शासन की योजनाओं का लाभ देने की बात कही, उसकी वकालत की। पंडित उपाध्याय ने कहा था कि समृद्धि का आधार ऊंचे पायदान पर बैठा हुआ व्यक्ति नहीं हो सकता। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति के चेहरे पर खुशहाली ही राष्ट्र की समृद्धि का आधार होना चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ भी विश्वासघात हुआ और उनकी असमय मृत्यु हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1967 में जब पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ तो उसका श्रेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जाता है। सीएम ने कहा कि जनसंघ का प्रवेश जब अटल–आडवाणी युग में होता है तो देश में लोकतंत्र बचाने के लिए इसका विलय जनता पार्टी में कर दिया जाता है। जनता पार्टी सरकार का प्रयोग पूरी तरह सफल नहीं हो पाया तो उसके अनेक कारण थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का गठन श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में होता है। गठत के उपरांत 1985 के संसदीय चुनाव में भाजपा के मात्र दो सांसद जीते थे। और, आज देश ही नहीं दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में भाजपा का उदय दुनिया के अंदर कहीं नहीं देखने को मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों ने स्थापना काल में जो कुछ सोचा था, पिछले 11 वर्ष के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वह सब कुछ साकार हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र मजबूत होना चाहिए। परिवारवाद, क्षेत्रवाद, मत और मजहब से ऊपर उठकर हमें देश के बारे में सोचना चाहिए। भाजपा यही करती है। उन्होंने कहा कि अकेले भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसमें एक बूथ का अध्यक्ष भी एक समय पार्टी का प्रदेश और देश का अध्यक्ष भी बन सकता है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी बन सकता है, यह केवल भारतीय जनता पार्टी में संभव है। कारण, यहां पर परिवार नहीं बल्कि पार्टी और कार्यकर्ता मायने रखता है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी ने 1986 में यह तय किया था कि देश के अंदर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की स्थापना के लिए अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण को हम अपना समर्थन देते हैं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनी तो अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया। राम मंदिर का निर्माण, एक नए युग का सूत्रपात है, यह राष्ट्र मंदिर है। उन दबी–कुचली सभ्यता और संस्कृति के लोगों के लिए एक नई आशा है जिन्हें दुनिया के अंदर दबाया गया, आक्रांताओं ने जिनकी संस्कृति को रौंदा था। उन्होंने कहा कि भारत अगर 500 वर्षों के बाद इस सपने को साकार कर सकता है तो कोई कारण नहीं दुनिया की अन्य दबी–कुचली जातियां अपने उस लक्ष्य को प्राप्त ना कर लें। भारत ने नई आशा का दीप जलाया है, आस्था का सम्मान किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए कहा कि हमारी असली ताकत छुपी होती है हमारे बूथ पर। बूथ, चुनाव का केंद्र बिंदु होता है। हमें बूथ पर सतत शक्तिशाली संरचना तैयार करनी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी एक बात बार–बार कहते हैं कि बूथ जीता तो चुनाव जीता। हमारा केंद्र बिंदु हमारा बूथ होना चाहिए और उस बूथ की ताकत का एहसास कराने के लिए हम सब इस प्रशिक्षण के साथ ही लगातार उस अभियान का हिस्सा बनें, जो असली कुरुक्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को विजयश्री दिलाने की ओर अग्रसर हो सके.

जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी ने कहा कि सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में मजबूत कानून व्यवस्था और अभूतपूर्व विकास से सुशासन का नया मॉडल दिया है। आभार ज्ञापन वर्ग के सर्व व्यवस्था प्रमुख एवं सहजनवा के विधायक प्रदीप शुक्ल और संचालन प्रशिक्षण वर्ग संयोजक एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य डॉ. आरडी सिंह ने किया।

इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान, सांसद रविकिशन शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी एवं पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी सहित विधायकगण, ब्लॉक प्रमुख, नगर पंचायत अध्यक्ष, जिला इकाई के पदाधिकारी और प्रशिक्षण वर्ग के अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। जिला प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई विकास प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकासपरक उपलब्धियां और गोरखपुर के विकास को प्रदर्शित किया गया है

नदी में डूबे किशोर, बुझ गया तीन परिवारों का चिराग, सभी के शव बरामद

संवाददाता–अयोध्या। कुदरत के कहर की चपेट में आये सोहावल के तहसीनपुर गांव में कोहराम के बीच मातमी सन्नाटा फैला है। शनिवार की शाम सरयू की धारा में डूबे तीन हम उम्र किशोर की मौत ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। हम उम्र तीनों किशोर 15 से 18 वर्ष के बीच के हैं। ये सभी अपने माता–पिता के इकलौते पुत्र थे जिनकी मौत ने तीनों परिवारों के घर का चिराग बुझा दिया।एक ही खानदान से जुड़ा मौत का शिकार बना अमित (मानस) पाण्डेय पुत्र अमर बहादुर पाण्डेय अपने बाबा के साथ गांव में छुट्टियां मनाने 10 वर्ष बाद मुंबई से लौटा था। परिजन बताते हैं अंडर–19 क्रिकेट मैं इसका सिलेक्शन हो चुका हैं तैयारी चल रही थी। दूसरा किशोर शिवांश पुत्र कृपा शंकर पांडे और सत्यम पुत्र विनय कुमार पाण्डेय क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में माध्यमिक और हायर सेकेंडरी के ब्रिलियंट छात्र है।

तीनों किशोर बालकों का एक दूसरे से मित्रवत व्यवहार बहुत गहरा हैं। इसी सखा प्रेम में बंध कर तीनों नदी में शाम को नहाने पहुंचे हैं। इनके साथ रिश्तेदारी में आए दो अन्य किशोर भी थे जिनकी हिम्मत नदी में नहाने की नहीं पड़ी लेकिन वह तीनों के डूबने के चश्मदीद गवाह जरूर बन गए।

गांव के इतिहास में इतनी बड़ी घटना अब तक नहीं हुई थी। पारिवारिक सदस्य वाल्मीकि पांडे बताते हैं अमित सहित तीनों का जन्म बड़ी मनौती के बाद हुआ था। तीनों बच्चे परिवार में आंखों के तारे थे। इन्हीं के ऊपर परिवार का भविष्य टिका था। भरपाई अब इस जन्म में नहीं हो पाएगी। इस पर अब प्रश्न चिन्ह लग गया हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों का सिलसिला चल निकला हैं। विधायक से लेकर क्षेत्रीय नेता तक ग्रामीणों से लेकर रिश्तेदारों तक सभी पहुंच रहे हैं लेकिन आयी शून्यता को भर पाने की ताकत किसी में नहीं हैं। सरयू में डूबे तीनों किशोर बालकों के शव रविवार को दोपहर बाद बरामद हो गए। लखनऊ से आए एनडीआरफ की टीम ने इन्हें खोजने में सफलता पा ली। शनिवार को एक ही खानदान से जुड़े यह तीनों किशोर अमित पांडे, शिवांश पांडे और सत्यम पाण्डेय, शाम को नहाने के दौरान नदी में डूब गए थे। पुलिस और प्रशासन ने एसडीआरएफ के साथ मिलकर कल शाम से ही लगातार खोजने का अभियान चलाया था लेकिन रात भर खोजने के बावजूद एक भी शव बरामद नहीं हो पाया। एनडीआरएफ की टीम सुबह तक न पहुंचने के कारण ग्रामीणों ने आक्रोश में आकर राष्ट्रीय राजमार्ग 27 गांव के सामने जाम करने के लिए हुंकार भरी लेकिन पुलिस और कुछ बुद्धिजीवी लोगों के समझाने पर आक्रोश ठंडा पड़ गया। शव बरामदगी के बाद पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ सदर अरविंद सिंह, निरीक्षक लालचंद सरोज, उप जिलाधिकारी सविता देवी, तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह, नायब तहसीलदार रेशु जैन, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान, रालोद नेता सुड्डू मिश्रा, सुनील तिवारी शास्त्री, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं आदि मौजूद रहीं।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आए दो युवक घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के महुआरा गांव के पास रविवार को एक ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आने से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से एक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि दूसरे को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। यह घटना उस समय हुई जब इटवा थाना क्षेत्र के बरगदवा गांव निवासी प्रवेश (30) पुत्र चौतर और मनीष सोनी (18) पुत्र उमेश बाइक से बस्ती अपने निजी कार्य के लिए जा रहे थे। महुआरा गांव के पास मिट्टी खनन में लगी एक ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइक सवार बुरी तरह घायल हो गए। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से दोनों घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवा पहुंचाया गया।

वहां डॉ. संजय पाण्डेय ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टर ने प्रवेश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि मनीष का उपचार कर उसे घर भेज दिया गया। इस संबंध में डुमरियागंज थाना प्रभारी निरीक्षक श्री प्रकाश यादव ने बताया कि घटना की जानकारी है।

हत्या के प्रयास मामले में मुख्य आरोपी जेल में, दूसरा भी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र में करीब 20 दिन पहले हुए हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने दूसरे वांछित आरोपी दुर्गा प्रसाद यादव उर्फ थारु को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले का मुख्य आरोपी दुर्गेश पहले ही जेल भेजा जा चुका है। पुलिस अब फरार चल रहे तीन अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। जानकारी के अनुसार, घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल था। मामले की गंभीरता को देखते हुए शोहरतगढ़ पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। शनिवार को प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने परसा रेलवे क्रॉसिंग के पास घेराबंदी कर आरोपी दुर्गा प्रसाद यादव उर्फ थारु को पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई और विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि मुख्य आरोपी दुर्गेश को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, और अब दूसरे आरोपी को भी पकड़ लिया गया है। थाना प्रभारी ने दावा किया कि बाकी तीन फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है और उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहे थे, जिससे गिरफ्तारी में कठिनाई आ रही थी।

पेट्रोलियम मूल्य वृद्धि से जनता पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ –सत्यनारायण पटेल

संवाददाता–गोरखपुर। सत्यनारायण पटेल मऊ दौरे के लिए दिल्ली से गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरपोर्ट पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद, जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी समेत कई नेताओं ने अभिनंदन किया। इस दौरान सत्यनारायण पटेल ने पेट्रोलियम पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डीजल और पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता, किसान, व्यापारी और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, जबकि केंद्र सरकार जनता को राहत देने में विफल साबित हो रही है।

उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर परिवहन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर पड़ रहा है, जिससे आम लोगों की कमर टूट रही है। कांग्रेस पार्टी जनता की समस्याओं को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने पेट्रोलियम वृद्धि के खिलाफ सोमवार को होने वाले प्रदर्शन में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद ने कहा कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों से जनता परेशान है और आने वाले समय में इसका जवाब जनता चुनाव में देगी। वहीं, जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर लोगों को सरकार की नीतियों के प्रति जागरूक करेंगे। एयरपोर्ट पर आलोक प्रसाद, राजेंद्र यादव, डॉ. अविनाश पति त्रिपाठी, सुहैल अंसारी, तस्लीम अंसारी, देवेंद्र निषाद धनुष, इंजीनियर रजनीश मिश्रा, राकेश मौर्य, प्रभात चतुर्वेदी, धीरेंद्र मिश्रा, सुरेंद्र पासवान, अजय मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महंगाई से किसान, खेत मजदूर और आम जनता पर पड़ रहा भारी बोझ

संवाददाता–गोरखपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन की जिला कमेटी की बैठक पार्टी जिला कार्यालय पर 17 मई को सम्पन्न हुई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा डीजल–पेट्रोल के दामों में की गई बढ़ोतरी की कड़ी आलोचना की गई तथा बढ़े हुए शुल्क को तत्काल वापस लेने की मांग की गई।

बैठक में कहा गया कि लगातार बढ़ती महंगाई से किसान, खेत मजदूर, मेहनतकश और आम जनता पर भारी बोझ पड़ रहा है। बैठक में अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा के आगामी जिला सम्मेलन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि खेत मजदूर सभा का जिला सम्मेलन 14 जून 2026 को आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तैयारी के लिए 20 मई से 10 जून तक गांव–गांव अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत खेत मजदूरों के बीच व्यापक सदस्यता अभियान चलाकर 10 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

पार्टी राज्य स्थायी समिति के सदस्य राजेश साहनी ने कहा कि मजदूरों, किसानों और गरीबों के सवालों पर संघर्ष को तेज करने की जरूरत है तथा गांवों में संगठन को मजबूत करना समय की मांग है।

बैठक में लोकल कमेटी सचिव विनोद भारद्वाज, नंदू प्रसाद, सुधामा भारती, जिला कमेटी सदस्य सुग्रीव निषाद निषाद, वरिष्ठ नेता हरिद्वार प्रसाद, महानगर एरिया कमेटी के सचिव कामरेड बजरंगी निषाद, एडवोकेट सुभाष पाल तथा बांसगांव के प्रभारी डॉ पीएन सिंह शामिल रहे।

खलीलाबाद में युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप है। यह कार्रवाई खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने की। क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने बताया कि अभियुक्त चंद्रदेव पुत्र बिंद्रा प्रसाद को तामेश्वरनाथ नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। चंद्रदेव संत कबीर नगर के महुली थाना क्षेत्र के धोवहिया सिकरी गांव का निवासी है। खलीलाबाद कोतवाली में एक युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी। युवती ने आरोप लगाया था कि चंद्रदेव ने उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और धमकी भी दी। इस शिकायत के आधार पर 16 मई 2026 को एससीध्एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। महिला अपराध की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। साक्ष्य संकलन के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विनय कुमार पाण्डेय, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र पाण्डेय और कांस्टेबल मनीष प्रभात शामिल थे।

पैसे के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा, बीमारों से सीएम योगी का वादा

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार की प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भूमाफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा।

जनता दर्शन में एक महिला ने परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति का जिक्र कर बिटिया के विवाह में सहायता देने का अनुरोध किया। सीएम योगी ने जब महिला को प्रति जोड़ा एक लाख रुपये आवंटन वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के बारे में बताया तो वह खुश हो गई। महिला ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि योजना का लाभ बिटिया को भी दिला दीजिए। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों को जरूरी प्रक्रिया पूर्ण करने को निर्देशित किया। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–61/2026
अमरनाथ–सायल
1–अमरनाथ पुत्र शिव प्रसाद ग्राम महादेवरी तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम डाकघर भदावल तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 19–05–2026
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 19–07–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी सं0–42/2023
अदालत– श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सुमन्त सिंह
बनाम
प्रहलाद सिंह आदि
1. प्रहलाद सिंह 2. अवध बिहारी सिंह पुत्रगण स्व0 रामसिंह 3. श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी प्रहलाद सिंह निवासीगण ग्राम खाईनारा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 10–07–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी सं0–41/2023
अदालत– श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सुमन्त सिंह
बनाम
प्रहलाद सिंह आदि
1. प्रहलाद सिंह 2. अवध बिहारी सिंह पुत्रगण स्व0 रामसिंह 3. श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी प्रहलाद सिंह निवासीगण ग्राम खाईनारा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 10–07–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T201817140108056
धारा 34 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार सदर तहसील हर्रैया जिला बस्ती
महेन्द्र कुमार वर्मा
बनाम
बैजनाथ
1. महेन्द्र कुमार वर्मा पुत्र रामरतन वर्मा साकिन गौहनिया तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती उ0प्र0
तारीख पेशी 19–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com